



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डब्ल्यू.बी.-अ.-21022025-261216  
CG-WB-E-21022025-261216

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 912]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, फरवरी 20, 2025/फाल्गुन 1, 1946

No. 912]

NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 20, 2025/PHALGUNA 1, 1946

वस्त्र मंत्रालय  
(पटसन आयुक्त का कार्यालय)  
आदेश

कोलकाता, 12 फरवरी, 2025

**का.आ. 920(अ).—** यह दिनांक 20.09.2024 को हुई सुनवाई और उसके बाद विभाग द्वारा हितधारकों के पक्ष में कार्यालय के दिनांक 29.10.2024 के कार्यालय पत्र के तहत कार्यवाही के रिकॉर्ड जारी करने के अनुसरण में है।

कार्यवाही के उपरोक्त अभिलेख के अनुसार, दोनों पक्षों को न्यायनिर्णायक प्राधिकारी के समक्ष लिखित आपत्ति/तर्क दाखिल करने की स्वतंत्रता दी गई थी। तदुपरांत मिल कंपनी के दिनांक 06.11.2024 के पत्र के संदर्भ संख्या के माध्यम से लिखित तर्क प्रस्तुत किया, जो निम्नलिखित है :-

हमारा यह कहना है कि पृष्ठ -4 के अंतिम पैराग्राफ में दिया गया वक्तव्य पूर्णरूपण अनुचित है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ए-टाइप जूट बैग की 38 गांठों को बदलने के हमारे अच्छे प्रयास को अपराध स्वीकारोक्ति के रूप में देखा जा रहा है। इसके अतिरिक्त, आपके कार्यालय द्वारा गठित तथ्यान्वेषी दल ने स्पष्ट रूप से दर्ज किया है कि नमूना गांठ भारतीय मानक ब्यूरो के संगत विनिर्देशों के अनुसार पाई गई थी। तथापि, आगे संयुक्त निरीक्षण के लिए अनुरोध किया गया था जो मानदंडों से हट के है। तथ्यान्वेषी दल की रिपोर्ट अंतिम और बाध्यकारी है।

संयुक्त निरीक्षण के दौरान, हमने परेषिती के साथ-साथ निरीक्षण दल से भी अनुरोध किया है कि वे निरीक्षण एजेंसी IJIRA के निरीक्षण प्रमाण-पत्र के अनुसार 528 गांठों को अलग कर दें। दुर्भाग्य से इस तरह के निदेशों का अनुपालन न तो संयुक्त निरीक्षण दल द्वारा किया गया और इसके बजाय उनके अनुकूल निरीक्षण के लिए गांठों की व्यवस्था की गई और सभी पक्षों से पूर्व तैयार रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने का अनुरोध किया गया, हालांकि उक्त रिपोर्ट पर सभी पक्षों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे, लेकिन निरीक्षण के तरीके के बारे में विरोध किए जाने पर एक बार फिर से संयुक्त निरीक्षण करने का निर्णय लिया गया जो 26.7.2024 को निर्धारित किया गया था। यहां तक कि पुनः संयुक्त निरीक्षण में भी निरीक्षण प्रमाण-पत्र लॉट के अनुसार खेप को अलग नहीं किया गया था और इसका निरीक्षण उनकी अपनी शर्तों के अनुसार किया गया था।

इस बीच 24.6.2024 और 25.6.2024 को जब प्रारंभिक निरीक्षण किया गया था, हालांकि सभी गांठें/बैग बीआईएस मानक के अनुसार पाए गए थे, फिर भी परेषिती द्वारा किए गए अनुरोध के आधार पर हमने टाइप-ए की 38 गांठों को बदलने के लिए विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर लिया। यह 26.07.2024 की पुनः संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट में भी परिलक्षित होता है। हालांकि, एक अच्छे संकेत के रूप में, हमने पहले ही सभी विवादों को समाप्त करने के लिए 38 गांठ ए टाइप जूट गांठ को बदलने का आश्वासन दिया है। हम थोड़े समय के भीतर ऐसा करेंगे और आपको बताएंगे कि ऐसी 38 गांठ कब भेजी जाएंगी।

डीएफएस-FP01027/3/2024(कॉम्प.792238)/1271 दिनांक 24.12.24 के तहत पत्र द्वारा परेषिती ने अपने लिखित तर्क प्रस्तुत किए हैं, जो इस प्रकार हैं।—

“ओवरलैप्ड ब्रांडिंग/प्रिंटिंग/खराब गुणवत्ता/कम वजन वाली गांठों की संख्या का पता तब तक नहीं लगाया जा सकता जब तक कि सभी बैगों को खोल कर पुनः निरीक्षण नहीं किया जाता है और जांच एजेंसी द्वारा भी प्रस्तुत किया गया है जैसा कि जेसीओ के पत्र जूट(टी)-6/1/178/पंग्रेन/2017/-आई.(ई)/3025115/24 दिनांक 29.10.2024 में उल्लिखित है। इसलिए, जांच एजेंसी के प्रस्तुतीकरण को ध्यान में रखते हुए और एसपीए के लिए खरीद मौसम के दौरान अधिक मात्रा में कार्य को ध्यान में रखते हुए, यह व्यावहारिकता के विरुद्ध है और गांठों की खरीद की सम्पूर्ण प्रक्रिया की भावना के विरुद्ध है, प्रतिस्थापन के लिए दोषपूर्ण गांठों को अलग करना क्योंकि सही मात्रा का पता पूरी खेप खोलने के बाद ही लगाया जा सकता है। इसलिए इस कार्यालय का विचार है कि मिसाल कायम करने के लिए नियमों/विनियमों के अनुसार संबंधित मिल के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि आगे किसी भी डिलीवरी में नियमों के साथ कोई और विचलन न हो, साथ ही पूरे लॉट को बदलने के आदेश दिए जाएं।”

दोनों मिल कंपनियों के पूर्वोक्त प्रस्तुतिकरण को स्वीकार कर लिया गया है। और परेषिती को रिकॉर्ड पर रखा गया है।

संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट से, यह समझा जाता है कि 26.07.2024 को सभी हितधारकों की उपस्थिति में आयोजित संयुक्त निरीक्षण के दौरान, 528 गांठों की कुल शिकायत लॉट में से, 438 टाइप-बी बी-टवील बोरी गांठों की पेशकश की गई थी, जो संबंधित बीआईएस विनिर्देश के अनुसार पाई गई थी। हालांकि, 26.07.2024 को मैसर्स सनबीम डब्ल्यूआरटी संयुक्त निरीक्षण द्वारा जारी पत्र के अनुसार, मिल ने कंपनी को सूचित किया है। सरकार ने 26.07.2024 को संयुक्त निरीक्षण के दौरान मौके पर प्रस्तुत अपने पत्र के माध्यम से घटिया गुणवत्ता की 38 टाइप-ए बी-टवील गांठों की आपूर्ति करने के कथित अपराध को स्वीकार किया है।

एक ओर तो विवादित गांठों के संयुक्त निरीक्षण में शिकायत को सही नहीं ठहराया गया है जिसे परेषिती द्वारा संयुक्त निरीक्षण दल के समक्ष निरीक्षण के लिए प्रस्तुत किया गया था; जबकि दूसरी ओर आपूर्तिकर्ता पटसन मिल कंपनी ने स्वप्रेरणा से यह वचन दिया है कि वह सभी 38 विवादित गांठों (टाइप ए गांठें) को अपने जोखिम और लागत पर प्रतिस्थापित करेगी।

मामले को उचित रूप से समाप्त करने के लिए, इसलिए यह निर्देश दिया जाता है कि मैसर्स सनबीम वाणिज्य प्राईवेट लिमिटेड इस आदेश के जारी होने की तारीख से 30 दिनों के भीतर अपने जोखिम और लागत पर सभी विवादित 38 गांठों को बदल

देगा और परेषिती द्वारा बदले गए माल की स्वीकृति के दस्तावेजी प्रमाण सहित विभाग को एक अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। ऐसा न होने पर विभाग को जूट मिल कंपनी से संबंधित भुगतान के लिए लंबित बिलों से 38 गांठों के बराबर लागत की वसुली शुरू करनी चाहिए। तथापि, यह उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है कि परेषिती को ऐसे प्रतिस्थापन के दौरान पटसन मिल कंपनी के प्राधिकृत प्रतिनिधियों तक आवश्यक पहुंच की सुविधा प्रदान करनी चाहिए।

इस आदेश को सभी पक्षों को तत्काल परिचालित किया जाए।

[फा. सं. - जूट(टी)-6/1/178/जीएन(13)/2019-I(ई)]

मलय चंदन चक्रवर्ती, पटसन आयुक्त

**MINISTRY OF TEXTILES**  
**(Office of the Jute Commissioner)**

**ORDER**

Kolkata, the 12<sup>th</sup> February, 2025

**S.O. 920(E).** — This is pursuant to the hearing held on 20.09.2024 and subsequent issue of the Record of Proceedings by the Department in favour of the stakeholders vide office letter dated 29.10.2024.

Vide aforementioned Record of Proceedings; both the parties were given liberty to file written objection / argument before this adjudicating authority. Subsequently, the mill coy. vide letter under Ref. No. Nil dated 06.11.2024 has submitted their written arguments, which are as follows –

*“We like to submit that the statements made in the last paragraph of page-4 is totally uncalled for. It is unfortunate that our good gesture of replacing 38 bales of A Type Jute Bags is being construed as an admission of guilt. More so the Fact Finding Team constituted by your Office has clearly recorded that the sampled bales were found to be as per the relevant BIS specification. However a request was made for further joint inspection which is beyond the norms. The report of Fact Finding Team is final and binding.*

*During Joint Inspection, we have requested the consignee as also the Inspection Team to segregate the 528 bales as per the Inspection Certificate of the inspection agency IJIRA. Unfortunately such directions was not adhered to either by the Joint Inspection Team or by the consignee and instead arranged the bales for inspection as suited to them and requested all the parties to sign a pre prepared report although the said report was signed by all the parties but on being protested about the manner of inspection it was once again decided to have a Re- Joint inspection which was scheduled on 26.7.2024. Even in the Re-joint inspection the consignment were not Segregated as per the inspection certificate lots and it was inspected as per their own terms.*

*In the meantime on 24.6.2024 and 25.6.2024 when the initial inspection was conducted although all bales / bags were found to be as per BIS standard yet on the basis of the request made by the Consignee we graciously accepted to replace 38 bales of Type-A. Same is also reflected in the Re-Joint inspection report dated 26.07.2024.*

*However as a good gesture we have already assured the consignee to replace 38 bales A Type Jute Bales, to end all controversy. We will do so within a short span of time and shall let you know the date when such 38 bales would be dispatched”*

The Consignee vide letter under Ref. No.DFS-FP01027/3/2024(Comp.792238) / 1271 dated 24.12.24 has submitted their written arguments, which are as follows –

*“the number of bales which are actually defective w.r.t overlapped branding/printing/poor quality/ underweight could not be ascertained unless all the bags unbaled and are reinspected and the same has been submitted by Investigating Agency too as mentioned in JCO letter Jute(T)-6/1/178/Pungrain/2017/-I.(E)-I/3025115/24 dated 29-10-24. Therefore, keeping the Investigating Agency’s submission and keeping the high amount of work during the procurement season for SPAs in mind, it is against practicality and against the spirit of whole process of procuring bales, to segregate the defective bales for replacement as*

*the exact quantity can only be ascertained after opening of whole lot. So this office is of the view that the punitive action should be taken against the concerned mill as per rules/regulations to set the precedent so no further deviation happen with the rules in any further deliveries along with orders to replace the whole lot of bales”*

The aforesaid submissions of both the mill coy. and the consignee have been kept on record.

From the joint inspection report, it is understood that during joint inspection held in the presence of all the stakeholders on 26.07.2024, out of total complaint lot of 528 numbers of bales, 438 number of Type-B B-Twill sacking bales were offered by the consignee to the joint inspection team, which was found as per the relevant BIS specification. However, as per the letter purportedly issued by M/s Sunbeam w.r.t. joint inspection on 26.07.2024, the mill coy. has admitted the alleged commission of offence of supplying 38 number of Type-A B-Twill bales of inferior quality, by themselves vide their letter submitted on the spot during the joint inspection on 26.07.2024.

On one hand the complaint has not been sustained in the joint inspection of the disputed bales which were presented for inspection before the joint inspection team by the consignee; while on the other hand the supplier jute mill company has *sou moto* given an undertaking that it shall replace all the 38 numbers of disputed bales (Type A bales) at its own risk and cost.

In order to conclude the matter to a reasonable finality, it is therefore directed that M/s Sunbeam Vanijya Pvt. Ltd. shall replace all the disputed 38 bales at their own risk and cost within 30 days from the date of issue of this order and submit a compliance report to the department forthwith including documentary proof of acceptance of the replaced goods by the consignee, failing which the Department should initiate the recovery of equivalent cost of 38 bales from the pending bills for payment pertaining to the jute mill company. It is however needless to mention that the consignee should facilitate necessary access to the authorised representatives of jute mill company during such replacement.

Let this Order be circulated to all the parties' forthwith.

[F. No. Jute(T)-6/1/178/GN(13)/2019-I(E)]

MOLOY CHANDAN CHAKRABORTTY, Jute Commissioner